जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक : *डॉ. मुमताज अहमद खान*
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 14
दिनांक 31.01.2022

फसल विविधीकरण हेतु कृषि वानिकी द्वारा किसानों की आय में उत्तरोत्तर वृद्धि आवश्यक – डॉ. कोतू

डीआरएस डॉ. जी.के. कोतू ने किया वानिकी प्रक्षेत्र का निरीक्षण

जबलपुर 31 जनवरी। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय स्थित कृषि महाविद्यालय के वानिकी विभाग में संचालित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा पोषित अखिल भारतीय कृषि वानिकी अनुसंधान परियोजनाओं के कार्यों का संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. जी.के. कोतू द्वारा आज निरीक्षण किया गया। विभाग के आचार्य एवं विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश बाजपेई ने बताया कि विभाग में समस्त परियोजनाओं में वैज्ञानिकों द्वारा सतत अनुसंधान के कार्य संचालित किए जा रहे हैं। साथ ही किसानों की आय कृषि–वानिकी द्वारा कैसे दोगुनी की जा सकती है इस विषय पर विस्तार से जानकारी दी। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एस.बी. अग्रवाल द्वारा संचालक डॉ. कोतू को बताया कि सभी परियोजनाओं में छात्र एवं छात्राओं को भविष्य में आने वाली चुनौतियों का किस तरह से उनका निराकरण करना है, इसमें कृषि–वानिकी किस तरीके से उपयोगी एवं कारगर सिद्ध हो सकती है इसकी जानकारी दी गई। डॉ. कोतू ने निरीक्षण के दौरान विभाग की विभिन्न परियोजनाओं के कार्यों को देखा एवं किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इस दौरान विभाग के पीएचडी कर रहे छात्र एवं छात्राओं से उनके कार्यों के बारे में जानकारी प्राप्त की डॉ. कोतू ने भ्रमण के दौरान विभिन्न प्रकार के कृषि–वानिकी मॉडल किसानों की आय में किस प्रकार से सहायक हो सकते हैं। साथ ही वर्तमान की जो चुनौती हमारे सामने प्रत्यक्ष रूप से दिखाई दे रही है उससे निपटने तथा फसल विविधीकरण हेतु विभाग किसानों के आय में वृद्धि हेतु विभिन्न कम लागत के उपयोगी कृषि–वानिकी मॉडल प्रस्तुत कर सकता है इस विषय में चर्चा की एवं आगामी कार्य योजना तैयार कर कार्य करने की सलाह दी।

भ्रमण के दौरान विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश बाजपेई, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एस.बी. अग्रवाल, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. शेखर सिंह बघेल, वैज्ञानिक डॉ. यशपाल सिंह, डॉ. मनीष भान, डॉ. पूर्णिमा मालवीय एवं छात्र–छात्राओं में अजय शाह, माखन सिंह, कु. शोभा स्मिता, कु. प्रिया जयसवाल, अर्जुन चौहान आदि की उपस्थित रहे।

–000–